रेलवे अधिकारियों के लिये तीसरे दर्जे में वेश बदल कर यात्रा करने की योजना का बनाया जाना

*१०९. **श्री नवाब सिंह चौहान:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने तीसरे दर्जे के यात्रियों के कष्टों को जानने के लिये बड़े बड़े रेलवे अधिकारियों को तीसरे दर्जे में वेश बदल कर यात्रा करने की कोई योजना तैयार की है; यदि हां, तो उस योजना का विवरण क्या है और वह किस सीमा तक कार्यान्वित की जा चुकी है; और

(ख) यह योजना कब बनी और कितने अधिकारी अब तक इस योजना के अधीन यात्रा कर चुके हैं और उन्होंने कैसा अनुभव प्राप्त किया ?

†[FORMULATION OF A SCHEME FOR RAILWAY OFFICERS TO TRAVEL INCOGNITO IN THIRD CLASS

*109. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have formulated any scheme for the high ranking railway officers to travel *incognito* in third class with a view to finding out the difficulties of the third class passengers; if so, what are the details of the scheme and to what extent it has been implemented; and

(b) when the scheme was formulated, how many officers have so far travelled under the scheme and what is the nature of the experience gained by them?]

रेल उपमंत्री (श्री शाहनवाज़ खां) : (क) और (ख). इस तरह की कोई योजना नहीं बनायी गयी है ।

लेकिन इसी तरह का एक सुझाव सरकार को मिला था जिसे दिसम्बर, १९५७ के मध्य में सब रेलों को भेज दिया गया है और उनसे कहा गया है कि, जैसा मुमकिन हो, इस सुझाव पर कार्यवाही करें ।

अब तक १५ अफसर वेश बदल कर कई गाड़ियों के तीसरे दर्जे में सफ़र कर चुके हैं । सफ़र के दौरान में उन्हें ये खास-खास बातें दिखायी पड़ी :—

(१) कुछ गाड़ियों में बहुत ज्यादा भीड़ होती है ।

(२) कुछ स्टेशनों पर गाड़ियों के आने-जाने का समय ऐसा है जिससे मुसाफ़िरों को असुविधा होती है ।

(३) भीख मांगने वाले और सामान बेचने वाले गाड़ियों में चलते हैं ।

(४) असबाब की शकल में वज़नी तिजारती सामान सवारी डिब्बों में रखे जाते हैं । जिससे दूसरे मुसाफिरों को असुविधा होती है ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) No scheme as such has been formulated.

However, a suggestion on these lines received by Government has been forwarded to all Indian Railways in the middle of December 1957, for such action as may be feasible.

15 officers have so far travelled *incognito* in III class by various trains and the important aspects noticed by them were:—

(i) Overcrowding in certain trains.

(ii) Inconvenient timings of trains at certain stations.

(iii) Begging and hawking in trains.

†[ ] English translation.

(iv) Inconvenience caused to other passengers due to heavy merchandise being carried as luggage and stacked in the passenger compartments.]

श्री नवाब सिंह चौहान : जिन अफ़सरों ने तीसरे क्लास में सफ़र किया वे लगभग कितने दूर तक गये ? क्या उनको रात में भी सफ़र करना पड़ा । अगर करना पड़ा तो उनको रात में सोने के लिये स्थान मिला अथवा नहीं ?

श्री शाहनवाज़ खां : इन अफ़सरों ने २५२५ मील तक सफ़र किया । रात में भी सफर किया । लोगों को जो तकलीफ़ रात को सफ़र करने में होती हैं वह उनको मालूम हुई ।

श्री राम सहाय : क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि इस प्रकार के जो अधिकारी तीसरे दर्जे के यात्रियों की तकलीफ़ देखने के लिये जाते हैं, क्या वे इस बात की भी जांच करते हैं कि रात को स्टेशन मास्टर स्वयं ड्यूटी करते हैं और सिगनल का काम पोर्टर द्वारा नहीं कराते हैं ?

श्री शाहनवाज़ खां : ये अफ़सर जो रात को सफर करते हैं वे खासकर मुसाफिर लोगों की तकलीफ़ देखने के लिये होते हैं । स्टेशन मास्टर की जो ड्यूटी होती है उसको देखने के लिये दूसरे अफ़सर होते हैं ।

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या कोई अधिकारी प्रोग्राम की इत्तिला दिये बिना इस बात की भी चैकिंग करता है कि रात को स्टेशन मास्टर और असिस्टेंट स्टेशन मास्टर सोते नहीं हैं और पोर्टरों द्वारा काम नहीं कराते हैं ?

श्री शाहनवाज़ खां : ज़रूर ऐसा होता है, काफ़ी तादाद में ।

पंडित अलगू राय शास्त्री : मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह जो दो हज़ार मील की यात्रा इन अफ़सरों ने की उसमें से कितना भाग नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे की छोटी लाइन में किया ।

श्री शाहनवाज़ खां : इसके लिये नोटिस चाहिये ।

DR. R. B. GOUR: The hon. Minister said that a certain number of miles these officers travel. May I know whether this travel was continuous or interrupted?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: Different travels by different officers on different occasions.

DR. R. B. GOUR: May I know what was the largest continuous travel for any officer?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: I shall require notice for that.

SHRI MAHESWAR NAIK: May I know whether these officers who travelled *incognito* had ever checked the illegal practices of the ticket checking staff?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: I am sure if any such thing came to their notice they would have taken action on that.

SHRI V. K. DHAGE: Has the Government taken action on these reports by the travelling authorities?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: Yes, Sir.

SHRI V. K. DHAGE: What is that action?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: As I said, there is a number of inconveniences that have come to their notice. The first is overcrowding. To cope with that we are taking certain steps by way of introducing more trains, strengthening the capacity of the existing trains, doubling the lines, all

those things. Another thing they found was beggars, hawkers and other people travelling in the trains. That is being dealt with by the ticket checking staff and the railway protection staff to evict these people from the station premises. Some people carry heavy baggages with them in the Compartments. That also is being watched by the ticket checking staff.

MR. CHAIRMAN: Is it necessary for travelling inspectors to travel *incognito* to detect these things? Overcrowding, begging, heavy luggage, these things we can say from here.

DR. RAGHUBIR SINH: Inconveniences can be easily seen.

SHRI AMOLAKH CHAND: May I know to what class these officers belong, who travelled *incognito*?

ये किस क्लास के आफ़िसर थे । फ़र्स्ट क्लास, सेकण्ड क्लास, थर्ड क्लास या फोर्थ क्लास के अफ़सर थे ?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: Class 1 and Class 2 officers.

श्री देवकीनन्दन नारायण : क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि ये जो ऑफ़िसर्स गाड़ियों में घूमते हैं वे उसी डिवीज़न में घूमते है जिस डिवीज़न के वे अधिकारी होते हैं ?

PANDIT ALGU RAI SHASTRI: Will he please place a report of the journeys on the Table of the House and give us an opportunity to discuss it?

MR. CHAIRMAN: The question of Mr. Deokinandan Narayan has not been answered.

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: The reply is, yes, Sir.

हिमाचल प्रदेश में सड़कों का निर्माण

*११०. **श्री किशोरी राम** : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश में केन्द्रीय सरकारी निर्माण विभाग द्वारा अब तक कितनी सड़कों का निर्माण किया गया ;

(ख) उन सड़कों के निर्माण के लिये लगाये गये मजदूरों की संख्या क्या है; और

(ग) ऐसे मज़दूरों को किस दर से मजदूरी दी जाती है ?

†[CONSTRUCTION OF ROADS IN HIMACHAL PRADESH

*110. SHRI KISHORI RAM: Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the total number of roads so far constructed by the Central Public Works Department in Himachal Pradesh;

(b) the number of labourers engaged in the construction of those roads; and

(c) the rate at which wages are given to such labourers?]

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (SHRI HUMAYUN KABIR): (a) The roads in Himachal Pradesh are constructed by the Public Works Department of that Administration. 83 roads have been constructed to various stages ranging from 2 ft. to 24 ft. width.

(b) About eleven thousand workers are at present employed by the P.W.D.

(c) Mates .. Rs. 62 per month.
Beldars .. Rs. 57 per month.

†[ ] English translation.